संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना** की समीक्षा हेतु एक **उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता** की।

यह योजना वैश्विक वस्त्र बाज़ार में राज्य की स्थिति को सशक्त करने के लिये तैयार की गई है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - संत कबीर के **श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता** के आदर्शों से प्रेरित इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक हथकरघा तकनीक तथा **आधुनिक वस्त्र प्रौद्योगिकी** के बीच संतुलन बनाना है।
- **उद्देश्य:**
  - यह योजना निवेश, उत्पादन और **रोज़गार के नए अवसर सृजित** करेगी, जिससे उत्तर प्रदेश को वैश्विक वस्त्र उद्योग में एक महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त होगा।
- **वर्तमान स्थिति:**
  - उत्तर प्रदेश भारत के शीर्ष कपड़ा और परिधान निर्यातकों में से एक है।
    - वर्ष 2023-24 में, राज्य ने कपड़ा निर्यात में 3.5 बिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया, जो देश के कुल कपड़ा निर्यात का 9.6% था।
    - कपड़ा क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 1.5% का योगदान देता है और लगभग 22 लाख लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।
- **बाजार संभावनाएँ:**
  - वैश्विक वस्त्र बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है, जो उत्तर प्रदेश के लिये मज़बूत वैश्विक उपस्थिति बनाने का अवसर प्रदान करता है।
- **उत्तर प्रदेश में कपड़ा क्लस्टर:**
  - **वाराणसी, मऊ, भदोही, मिर्ज़ापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ** जैसे शहरों में पारंपरिक कपड़ा क्लस्टर राज्य की कपड़ा अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **निवेश और रोजगार अनुमान:**
  - निवेश सारथी पोर्टल पर 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 15,431 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है और 1,01,768 रोज़गार सृजित होने की संभावना है।
  - ये प्रस्ताव 1,642 एकड़ भूमि को कवर करते हैं और प्रत्येक पार्क कम-से-कम 50 एकड़ में फैला होगा।
  - पार्कों में एक सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र और सहायक उद्योगों जैसे बटन, जिपर, पैकेजिंग तथा भंडारण के लिये सुविधाएँ शामिल होंगी।
- **PPP मॉडल और अवसंरचना समर्थन:**
  - इस योजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल या एक नामित नोडल एजेंसी के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे सड़क, बिजली और पानी की आपूर्ति जैसी प्राथमिक बुनियादी संरचना सुनिश्चित होगी।
- **बुनकरों के लिये सरकारी पहल**
  - राज्य सरकार बुनकरों को सब्सिडी वाली बिजली उपलब्ध कर रही है और उत्पादन लागत कम करने तथा उनकी आय बढ़ाने के लिये सौर ऊर्जा एकीकरण की संभावना तलाश रही है।
- **महत्त्व:**
  - संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना से न केवल बड़े स्तर पर निवेश और रोज़गार सृजन लाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को वस्त्र तथा **परिधान क्षेत्र का वैश्विक हब** भी बनाएगी।

संत कबीर दास

- **15वीं शताब्दी के भारतीय रहस्यवादी कवि और संत** कबीर दास का जन्म उत्तर प्रदेश के **वाराणसी में एक हिंदू** परिवार में हुआ था, लेकिन **उनका पालन-पोषण एक मुस्लिम** बुनकर दंपत्ति ने किया था।

- वे **भक्ति आंदोलन** में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे, जिसमें **ईश्वर के प्रति समर्पण और प्रेम पर ज़ोर दिया गया था।**
  - भक्ति आंदोलन **7वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में शुरू हुआ** तथा **14वीं और 15वीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत में फैल गया।**
  - भक्ति आंदोलन के लोकप्रिय संत कवियों, जैसे **रामानंद** और **कबीर दास,** ने स्थानीय भाषाओं में भक्ति गीत गाए।
- **कबीर ने रामानंद** और **शेख तकी** जैसे गुरुओं से आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया, जिससे उनका अद्वितीय दर्शन विकसित हुआ।
- कबीर को हिंदू और मुसलमान दोनों ही पूजते हैं तथा उनके अनुयायी **"कबीर पंथी" के नाम से जाने जाते हैं।**
- उनकी लोकप्रिय साहित्यिक कृतियों में **कबीर बीजक** (कविताएँ और छंद), **कबीर परचाई, सखी ग्रंथ, आदि ग्रंथ (सिख)** तथा **कबीर ग्रंथावली (राजस्थान) शामिल हैं।**
- **ब्रजभाषा** और **अवधी** में लिखी गई उनकी रचनाओं ने भारतीय साहित्य तथा हिंदी भाषा के विकास को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sant-kabir-textile-and-apparel-park-scheme